साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 3 । अंक : 40 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 11 मई से 17 मई 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

नदी में डूबने से वृद्ध की मृत्यु

गोंदिया-रावणवाड़ी थानांतर्गत ग्राम रजेगांव की बाघ नदी में बालाघाट जिले के ग्राम नक्शी निवासी चुन्नीलाल दाजीराव ठाकरे (60) की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई। यह घटना 8 से 9 मई के बीच घटित हुई। नक्शी निवासी फरियादी रामप्रसाद चुन्नीलाल ठाकरे (39) की रिपोर्ट पर रावणवाड़ी पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अंबुरे कर रहे है।

दिव्यांगों की सेवा ईश्वर की सेवा सरकार दिव्यांगों के साथ खड़ी मजबूती से - पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार

बुलंद गोंदिया। दिव्यांग भाइयों को हमें कभी कम नहीं आंकना चाहिए। क्योंकि दिव्यांग भी अच्छा काम कर हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर रहे हैं। उन लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि उनके लिए कोई अभिभावक नहीं है। दिव्यांगों की सेवा ईश्वर की सेवा व राज्य सरकार दिव्यांग भाइयों के साथ मजबूती से खड़ी है। यह बात राज्य के वन, सांस्कृतिक कार्य, मत्स्य पालन मंत्री एवं जिला पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने 8 मई को पोवार बोर्डिंग, न्यू लक्ष्मीनगर, गोंदिया में %विकलांगों को सामग्री वितरण% कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनील मेंढे ने की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद अशोक नेते , विधायक विजय राहंगडाले, जिप अध्यक्ष पंकज रहांगडाले,सभापति समाज कल्याण समिति अध्यक्ष पूजा सेठ, महिला एवं बाल कल्याण सभापति सविता पुराम, वित्त एवं निर्माण सभापति संजय टेंभेरे, पूर्व विधायक केशवराव मानकर, जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल, जिला पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले उपस्थित थे।

पालक मंत्री ने आगे कहा केंद्र सरकार ने दिव्यांग भाई-बहनों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं के माध्यम से यह देखा जा रहा है कि दिव्यांग लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहे हैं। राज्य सरकार ने हाल ही में बजट में निराश्रित, वृद्ध और दिव्यांग को 1500 रुपये प्रति माह देने का निर्णय लिया है। साथ ही महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना में अब आम लोगों के लिए सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है और केंद्र सरकार की तरह राज्य सरकार भी अब किसानों को 6 हजार रुपये सालाना देने जा रही है. पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने इस अवसर पर कहा कि दिव्यांग भाइयों के जीवन में जीवंतता लाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सांसद सुनील मेंढे ने जिले के दिव्यांग भाइयों को सामग्री वितरण का संकल्प लिया और बड़ी मेहनत से इसे पूरा किया है. उन्होंने बताया कि जिले में कुल 1378 पात्र विकलांग बंधुओं का चयन कर गोंदिया तालुका के 454 हितग्राहियों को सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

जिले के सभी तालुकों में, विकलांग लोगों के लिए शिविर लगाए गए और दिल्ली के डॉक्टरों की एक टीम द्वारा उचित जांच और माप लिया गया। जिले में कुल 1378 हितग्राही पात्र हो चुके हैं। सांसद सुनील मेंढे ने कहा कि उनकी सभी सामग्री आ चुकी है और जिले के प्रत्येक तालुका स्थान पर कैंप लगाकर पात्र हितग्राहियों को सीपी चेयर, ट्राइसाइकिल व्हील चेयर, स्मार्ट फोन, स्मार्ट केन, श्रवण सामग्री वितरित की जाएगी। दिव्यांग लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसलिए उन्हें अपने जीवन को आरामदायक बनाने के लिए आवश्यक सामग्री वितरित की जा रही है। जिलाधिकारी चिन्मय गोटमारे ने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए तत्पर है। प्रतिनिधीक स्वरुप में जयसिंग बघेले, श्रेयण नागपुरे, अजय ढेकवार, योगेश्वर डोहरे, मयंक बागडे, अभिषेक बरडे, प्रमोद भिसे, कार्तिक बारई, विशाल कटरे व धनराज कांबळे को सामग्री वितरित की गई।

एडीआईपी योजना के तहत गोंदिया जिले में नि:शक्तजनों को निःशुल्क सामग्री व उपकरण उपलब्ध कराने के लिए सितंबर 2022 में भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनील मेंढे के माध्यम से तालुकावार माप शिविर आयोजित किए गए. उक्त मापक शिविर में गोंदिया जिले के तालुकावार कुल 1378 विकलांग हितग्राहियों का चयन किया गया है. जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय गनवीर ने प्रस्तावना में बताया कि इसमें तिरोडा 161, गोरेगांव 309, देवरी 03, आमगांव 25, सालेकसा 13, अर्जुनी/मोरगांव 192, सड़क अर्जुनी 221 और गोंदिया 454 जैसे कुल 1378 विकलांग लाभार्थी शामिल हैं.

कार्यक्रम में उप विभागीय अधिकारी परवानी पाटिल, गट विकास अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश चौरागड़े, उपयंत्री अनिल दाते, समाज कल्याण विभाग की सहायक सलाहकार वैशाली तायडे एवं आकाश मेश्राम उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जयंत शुक्ला ने किया, वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

अश्लील हरकत का विरोध पड़ा महंगा आरोपी युवकों ने किया जानलेवा हमला एक युवक गंभीर जख्मी एक्वा एडवेंचर पार्क की घटना

» अज्ञात 6 लोगों के खिलाफ 307 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज «

बुलंद गोंदिया। 7 मई को संडे की छुट्टी मनाने अपने भाई और मित्र दोस्तों के साथ सड़क अर्जुनी के वाटर पार्क पिकनिक मनाने गए गोंदिया के कुड़वा निवासी 6 युवकों पर कुछ मनचले अज्ञात युवकों ने अश्लील हरकतें कर उनके साथ गालीगलौज की वही हाथ, बुक्के और लकड़ी की बल्ली से जानलेवा प्रहार किया। इस हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है।

यह घटना सड़क अर्जुनी के डुग्गीपार में स्थित एक्वा एडवेंचर वाटर पार्क में 7 मई को दोपहर 3.30 से 4 बीच घटी। गंभीर रूप से घायल युवक पंकज भूपेंद्र बिसेन उम्र 24 को गोंदिया के यूनाइटेड हॉस्पिटल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया के कुड़वा निवासी फिर्यादि प्रतीक नुपेंद्र बिसेन 23, पंकज नुपेंद्र बिसेन 24, प्रणव नुपेंद्र बिसेन 23, विक्की हरिशंकर भगत 22, विशाल हरिशंकर भगत 21 एवं आर्यन योगेश पारधी 22 सभी निवासी कुड़वा ये सुबह 10.30 बजे अपनी फोर व्हीलर क्र. एमएच 35 पी. 1723 से सड़क अर्जुनी के वाटर पार्क के लिए निकले थे। 11.30 बजे पहुँचकर दोपहर 3.30 तक वाटरपार्क में जलतरण का आनंद ले रहे थे। तभी कुछ 6 अज्ञात 28 से 30 साल की उम्र के युवक भी वहां उपस्थित थे। इन अज्ञात युवकों में एक युवक ने फिर्यादि के पास आकर अश्लील हरकत की और उसके हाथ को चूमा। हाथ चूमने पर फिर्यादि ने कहा कि मैं कोई लड़की हूँ जो मुझे चुम रहे हो। इतना कहने पर वो अज्ञात युवक ने उसे थप्पड़ मारा और हुज्जत करने लगा। इस घटना को बढ़ावा न देते हुए फिर्यादि और उसके साथ जब बाहर अपने वाहन के पास पहुँच गए, तब ये सभी आरोपी वहां भी धमक गए और गालीगलौज करने लगे। इनमें से तीन-चार युवकों ने फिर्यादि के भाई को पकड़कर उसे हाथ-घूंसों से पीटा, जब फिर्यादि गया तो उसे भी हाथ-घूंसों से पीटा और उसके सिर पर लकड़ी के बल्ली से जानलेवा प्रहार किया। फिर्यादि का भाई जब बीचबचाव करने दोबारा आया तो उसके सिर पर भी लड़की की बल्ली से प्रहार किया। इतना ही नही इन सभी ने उनके मित्रों से भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

इस घटना के बाद घायलों को मित्रों ने सड़क अर्जुनी अस्पताल उपचार हेतु लाये जहा से गंभीर एक युवक को गोंदिया के निजी अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती किया गया। इस मामले पर फिर्यादि की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने सभी अज्ञात मनचले आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 307, 147, 144, 143, 149, 323, 324, 506 के तहत मामला दर्ज किया है और आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

जानकारी मिली है कि वॉटर पार्क में सीसीटीवी कैमरे नही है, जबकि पार्क में परिवार के लोगो के साथ युवक-युवतियां अनेक लोग पिकनिक मनाने यहां आते है। उनकी सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे जरूरी है। इस घटना में अगर किसी अन्य के द्वारा वीडियो नहीं बनाया गया होता तो, कोई सबूत हाथ नही लगता।

घनकचरा प्रबंधन निर्माण में लाल ईंटों का उपयोग

ठेकेदारों द्वारा शासन परिपत्रक का किया जा रहा उल्लंघन

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिला परिषद जलापूर्ति व स्वच्छता विभाग के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर घनकचरा प्रबंधन के लिए कचरा संकलन टंकियों का निर्माण किया जा रहा है। शासन परिपत्रक के अनुसार निर्माण कार्य में लाल ईंटों के बजाए फ्लायएस ईंटों का उपयोग करना आवश्यक है। लेकिन घनकचरा प्रबंधन निर्माण में ठेकेदारो द्वारा शासन परिपत्रक का उल्लंघन कर फ्लायएस ईंटों के बजाए लाल ईंटों का उपयोग कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जहां-जहां पर इस तरह का निर्माण किया जा रहा है उस स्थान पर जाकर संबंधित विभाग ने जांच कर संबंधित ठेकेदारो पर कार्रवाई करने की मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है। बता दें कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता बनी रहे इस उद्देश्य को लेकर जिला परिषद के जलापूर्ति विभाग व स्वच्छ भारत अभियान के तहत घनकचरा प्रबंधन योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत चयनित ग्राम पंचायतो में कचरा संकलन करने के लिए ईंटों से कचरा टंकियो का निर्माण किया जा रहा है।

शासन परिपत्रक के अनुसार निर्माण कार्य में लाल ईंटों के बजाए फ्लायएस ईंटों का उपयोग करना आवश्यक है। इसका मुख्य कारण यह है कि फ्लायएस ईंटों से पर्यावरण सुरक्षित रहता है। लेकिन गोंदिया जिले के अनेक ग्राम पंचायतो में घनकचरा प्रबंधन के तहत कचरा टंकियों के निर्माण कार्य में फ्लायएस ईंटों की बजाए लाल ईंटों का उपयोग कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। ऐसे कामों की जांच पड़ताल कर संबंधित ठेकेदारों पर कार्रवाई करने की मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई वाहन चालक की मौत चार गंभीर

कोहमारा मार्ग पर भुसारीटोला के समीप हुआ हादसा

बुलंद गोंदिया। गोंदिया से नागपुर जा रही एक कार गोंदिया-कोहमारा रोड पर सड़क हादसे का शिकार हो गई। ये हादसा इतना भयावह था कि इसमें 24 वर्षीय चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वही कार में बैठे 4 अन्य गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी सामने आयी है। मृतक चालक का नाम मुहम्मद फैजान फारुख शेख (उम्र 24 वर्ष) निवासी रामनगर, गोंदिया बताई गई है। घायलों में अखिल पांचालु (29), समीर नसीर शेख (26), अंजुम अफरोज शेख (32), रानू कुरैशी (28) का समावेश है। घटना के संदर्भ में जानकारी मिली कि कार सुबह के दौरान गोंदिया से नागपुर हेतु रवाना हुई थीं। इसी दौरान कोहमारा मार्ग पर भूसारीटोला के समीप कार नियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई, जिससे वाहन चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, वहीँ कार में बैठे अन्य 4 लोग बुरी तरह घायल हो गए।

इलेक्ट्रॉनिक मोबाइल एसेसरीज व डीलरशिप देने के नाम पर 10 लाख की धोखाधड़ी

बुलंद गोंदिया। जिले के मोरगांव अर्जुनी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक मोबाइल व्यवसायी को एक कंपनी के 7 लोगो ने डीलरशिप देने व मोबाईल एसेसरीज देने के नाम पर 10 लाख का चूना लगाया। इस मामले पर अर्जुनी मोरगांव थाने में दर्ज फिर्यादि अजय रामचंद्र कापगते, उम्र 42 वर्ष, निवासी तावसी, ता. अर्जुनी / मोर, की रिपोर्ट अनुसार ये प्रकरण 10 नवंबर 2021 से 6 जुलाई 2022 के दौरान घटित हुआ। आरोपियों ने 1 से 7 ने ग्राम दाभना थाना अर्जुनी मोरगांव में सांठगांठ कर फिर्यादि को गिगिल रिसोर्सेस कंपनी द्वारा मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की डीलरशिप देने का कहकर फिर्यादि से गिगिल रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते में 10 लाख भरने कहा। रकम भरने के बाद आरोपियों ने फिर्यादि को गिगिल रिसोर्सेस एल.एल. पी. के नाम से फर्जी दस्तावेज एग्रीमेंट बनाकर रुपये डकार लिए पर माल की सप्लाई नही कर धोखाधड़ी की !पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भादवि 420, 465, 468, 470, 471, 120 (ब) के तहत अपराध दर्ज कर आगे की जांच पोनि. नाळे, पोस्टे. अर्जुनी / मोर, कर रहे है।

थाने में शिकायत करने पर पीटा

गोंदिया-गोंदिया शहर थानांतर्गत सुंदरनगर में फरियादी एवं आरोपी एक ही मोहल्ले में रहते है। इस दौरान एक आरोपी की बेटी का विवाद फरियादी के बेटे से हो गया। इस पर दो आरोपियों ने फरियादी के साथ मारपीट की। इसकी शिकायत शहर थाने में दर्ज कराई गई। रिपोर्ट करने को लेकर 4 आरोपियों ने सांठगांठ कर फरियादी के घर में अवैध तरीके से प्रवेश किया और उसके साथ गालीगलौज कर हमारे खिलाफ रिपोर्ट क्यों दी, कहते हुए चारों आरोपियों ने फरियादी को लात घूसों से पीट दिया। इसके बाद रिपोर्ट करने पर देख लेने की धमकी दी। फरियादी की रिपोर्ट एवं मेडिकल रिपोर्ट पर शहर पुलिस ने भादंवि की धारा 452, 294, 323, 506, 34 के तहत मामला दर्ज किया है। घटना 8 मई को हुई। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक गराड कर रहे हैं।

संपादकिय... नशे का जाल

युवाओं में बढ़ती नशे की लत को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए कड़े कानून हैं, मादक पदार्थ निरोधक दस्ते सक्रिय देखे जाते हैं, इसके बावजूद न तो इनकी उपलब्धता में कमी आ पा रही है और न इनका सेवन करने वालों की संख्या में। एक ताजा अध्ययन में चिंता व्यक्त की गई है कि अगले एक दशक में दस से सत्रह साल की उम्र के किशोर बुरी तरह नशे की गिरफ्त में आ सकते हैं। मानसिक सेहत से जुड़े मुद्दों, कामकाज का दबाव, बढ़ता खालीपन और बदलती सामाजिक आर्थिक स्थितियों का इस वर्ग पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। इसके चलते वे नशे की गिरफ्त में आसानी से आ जाते हैं। अध्ययन के मुताबिक नशे की बढ़ती लत का दायरा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगा। भारत चूंकि सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, इसलिए यह अध्ययन अधिक चिंता पैदा करने वाला है। इस पर काबू पाने के लिए अध्ययनकर्ताओं ने कुछ उपाय सुझाए हैं, जिनमें अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी रेखांकित की गई है। मगर जिस तरह नशीले पदार्थों का कारोबार तेजी से फैल रहा है, उसमें ये संस्थाएं प्रायः अशक्त ही नजर आती हैं। यह सच्चाई है कि किशोरावस्था में बहुत सारे लोग फिल्मी नायकों, अपने वरिष्ठों, परिवार के लोगों आदि को देख कर नशीले पदार्थों के प्रति आकर्षित होते हैं। फिर ऊब, खीझ, खालीपन, पढ़ाई-लिखाई, कामकाज के दबाव में इन पदार्थों का सेवन बढ़ाते जाते हैं। फिर वे इनके लती हो जाते हैं। अब तो महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक में अवैध मादक पदार्थों की उपलब्धता लगातार बढ़ती गई है। यह छिपी बात नहीं है और नशीले पदार्थों की इतनी किस्में बाजार में सहज उपलब्ध हैं कि बहुत सारे किशोरों, युवाओं के लिए अब ये सामान्य उपभोग की वस्तु जान पड़ते हैं। अभिभावकों, अध्यापकों, रिश्तेदारों, परिचितों से छिप-छिपा कर ही ऐसे नशे का सेवन किया जाता है, इसलिए उनके लिए निगरानी रख पाना कठिन होता है। बहुत सारे अभिभावकों को तो तब इसकी भनक मिलती है, जब उनके बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। तब तक उनकी लत पर अंकुश लगाने में काफी देर हो चुकी होती है, बहुत सारे किशोरों पर परामर्श वगैरह का भी असर नहीं हो पाता। वे आक्रामक हो जाते और हर वक्त गुस्से से भरे रहने लगते हैं। पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मामले उजागर हो चुके हैं, जिनमें भारी मात्रा में मादक पदार्थों की खेप किसी बंदरगाह या दूसरे ठिकानों पर पकड़ी गई। उनके आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि मादक पदार्थों का कितना बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है। मगर जब भी ऐसे पदार्थों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने की बात होती है, तो छिटपुट जलसों वगैरह में कुछ लोगों को इनका सेवन करते पकड़ कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली जाती है।

मणिपुरः जातीय संघर्ष की हिंसा में जल रहा पूर्वोत्तर गलतफहमी दूर नहीं हुई तो बिगड़ेंगे हालात

विवाद की असल वजह यह है कि अगर अदालत के कहने पर सरकार ने मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा दे दिया, तो वे नगा और कुकी के लिए आरक्षित भूखंडों पर भी कब्जा जमाना शुरू कर देंगे। मैतेई समुदाय वहां आर्थिक और राजनीतिक रूप से काफी ताकतवर है।

मणिपुर में फैली व्यापक हिंसा के मद्देनजर अब इस उपद्रव में शामिल लोगों को देखते ही गोली मारने का आदेश दे दिया गया है। वहां भारी संख्या में सेना, असम राइफल्स और स्थानीय पुलिस बल को तैनात किया गया है। वहां की स्थिति का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नौ हजार से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

मणिपुर सरकार का कहना है कि लोग गलतफहमी के चलते हिंसा पर उतारू हो गए हैं। मगर सवाल है कि यह गलतफहमी पैदा कैसे हुई, क्या सरकार ने उसे दूर करने का कोई प्रयास किया। अगर सरकार ने सचमुच गंभीरता से इस मसले को सुलझाने का प्रयास किया होता, तो शायद यह नौबत ही न आने पाती। दरअसल, मणिपुर उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक आदेश दिया, जिसमें कहा गया है कि सरकार मैतेई समुदाय के लोगों को आदिवासी समुदाय का दर्जा देने पर विचार करे।

मैतेई लोग अपने को आदिवासी समुदाय में शामिल करने की मांग कर रहे हैं

इसी को लेकर दूसरे आदिवासी समुदाय के लोगों ने हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालांकि यह मामला नया नहीं है, मैतेई समुदाय लंबे समय से अपने को आदिवासी समुदाय में शामिल करने की मांग कर रहा है। इसी संबंध में अदालत का दरवाजा खटखटाया गया था। मगर इस हिंसक प्रदर्शन की असली वजह अदालत का फैसला नहीं, बल्कि सरकार का रवैया है।

इस साल फरवरी में जब सरकार ने पहाड़ी इलाकों से अवैध प्रवासियों को निकालना शुरू किया था, तभी पहली बार हिंसा भड़की थी। वहां की नगा और कुकी समुदाय की तैंतीस जातियों को जनजाति का दर्जा मिला हुआ है और उनके लिए चिह्नित भूभाग पर किसी गैर-जनजातीय समुदाय के व्यक्ति का कब्जा नहीं हो सकता। मगर जिन लोगों को प्रवासी बता कर बाहर निकाला गया, कुकी समुदाय उन्हें अपने लोग बता रहा था।

दरअसल, विवाद की असल वजह यही है कि अगर अदालत के कहने पर सरकार ने मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा दे दिया, तो वे नगा और कुकी के लिए आरक्षित भूखंडों पर भी कब्जा जमाना शुरू कर देंगे। मैतेई समुदाय वहां आर्थिक और राजनीतिक रूप से काफी ताकतवर है। उनके हिस्से में भूखंड बेशक कम हो, पर संख्या बल में वे जनजातीय समुदायों से काफी अधिक हैं और प्रदेश की राजनीति में साठ में से चालीस विधानसभा सीटों पर काबिज हैं।

ऐसे में जनजातीय समुदायों को भय है कि मैतेई समुदाय उनका हक छीन लेगा। मैतेई समुदाय का कहना है कि मणिपुर के भारत में विलय से पहले उसे जनजातीय समुदाय का दर्जा मिला हुआ था, इसलिए उसकी पुरानी पहचान लौटा दी जाए। इसी पर विचार के लिए अदालत ने कहा है।

ऐसा नहीं कि मणिपुर सरकार जनजातीय और गैर-जनजातीय समुदायों के बीच लंबे समय से चल रहे इस संघर्ष से अनजान है।जब फरवरी में उसने प्रवासियों को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया, तभी उसे इन दोनों के बीच सामंजस्य बिठाने का प्रयास करना चाहिए था। पूर्वोत्तर में जातीय संघर्ष जब-तब हिंसक रुख अख्तियार कर लेता है और उसके चलते वहां का सारा जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। नाहक लोग मारे जाते हैं।ऐसे में अगर सरकार कह रही है कि गलतफहमी के चलते लोग हिंसक हो उठे हैं, तो उस गलतफहमी को दूर करने की जिम्मेदारी भी उसी की है। मगर अभी तक उसकी तरफ से कोई ऐसी पहलकदमी नहीं देखी गई है। वह सेना के बल पर लोगों के विरोध को दबाने का प्रयास कर रही है। इस तरह विरोध शायद ही दबे।

गोंदिया के होटल में आइपीएल सट्टा खिला रहे आरोपी गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया -आइपीएल मैचों के दौरान सट्टा लगाने का काम बालाघाट जिले में धड़ल्ले से चल रहा है। वहीं पुलिस भी लगातार आइपीएल खिलाने वाले आरोपितों को पकड़कर उनके विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में लालबर्रा पुलिस ने पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की एक होटल में आइपीएल सट्टा खिला रहे आरोपितों को पकड़कर उनके कब्जे से तीन लाख से अधिक की आइपीएल सामग्री को जब्त करने की कार्रवाई बालाघाट पुलिस ने की है।

जबकी गोंदिया पुलीस को इसकी भनक भी नही लगी ।गोंदिया शहर पुलीस थाने का एक कर्मचारी तो गोंदिया के बुकीयोसे संपर्क कर वसुली करने का काम कर वरिष्ठो को पिछले कई सालो से खुश करते आ रहा है,उस कर्मचारी की बदली इस थाने से होने के बाद भी वह यह आकर इस कालेधंदे मे लिप्त लोगो से वसुली का काम करने की जानकारी सामने आ रही है।इस पुलीस कर्मचारी के व्यवहार से गोंदिया शहर पुलीस थाने बहोतसे कर्मचारी अधिकारी परेशान है,लेकीन वरिष्ठ अधिकारी की मर्जी रहने से यह सब खामोश रहते है।इसलिये बालाघाट से भी बुकी आकर गोंदिया मे धडुले से आयपीएल सट्टा चला रहे है।कुछ तो सब्जी मंडी मे ऐसे लोक है फल दुकान दिखाकर क्रिकेट सट्टे का धंदा राजनितीक पार्टीयोंके नेताओं के सहारे करने की भी चर्चा सामने आ रही है। लिस अधीक्षक समीर सौरभ ने बताया कि लालबर्रा पुलिस ने 20 अप्रैल 2023 को मुखबिर की सूचना पर जमीर खान 37 वर्ष ग्राम अमोली निवासी को आइपीएल का सट्टा खिलाते पकड़ा था। पूछताछ में बताया था कि वह धर्मेन्द्र उर्फ धरमु बैस 43 वर्ष निवासी बरघाट नाका टैगोर वार्ड डूंडासिवनी जिला सिवनी व निशीकांत अग्रवाल 38 वर्ष ग्राम मानपुर लालबर्रा निवासी के लिए कमीशन पर काम करता था। जिसके बाद पुलिस ने इन दोनों ही आरोपितों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनो आरोपितों की तलाश के दौरान सूचना मिले की दोनों ही आरोपित गोंदिया में है। जिसके बाद टीम का गठन कर मौके पर जाकर दबिश दी तो दोनों आरोपित जिंदल होटल के कमरा नंबर 115 में बैठकर आइपीएल सट्टा खिलाते मिले हैं। जिनके कब्जे से पुलिस ने एक नग लाइन मशीन होल्डिंग पेटी जिसमें दा नग की पेड मोबाइल फोन है, एक नग एचपी कंपनी का लेपटाप मय चार्जर, पांच नग की पेड मोबाइल,दो नग एनराइड मोबाइल फोन,एक नग हेड फोन,तीन नग चार्जर, एक नग डाटा केवल,दो हिसाब किताब की कापी, सात हजार 750 नगद, दो डाट पेन, एक नग पेंसिल, एक नग केलकुलेटर, एक नग पासबुक जब्त कर दोनों ही आरोपितों को मुचलके पर छोड़ा गया।

किसानों की मदद का करेंगे पूरा प्रयास : कोरोटे

कृषि उपज बाजार समिति संचालकों के सत्कार समारोह में रखे विचार

बुलंद गोंदिया -कृषि उत्पन्न बाजार समिति का सबसे मुख्य घटक किसान होता है। लेकिन बाजार समिति में किसानों को ही अनेक सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है। आमगांव नगर परिषद क्षेत्र एवं विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों की लागत से अनेक विकास कार्य शुरू किए गए है। किसानों को सिंचाई के लिए कुआढास परियोजना की तरह अनेक बांध निर्माण करने का मेरा प्रस्ताव मंजूरी के लिए शासन के पास लंबित है। किसान सिचाई से वंचित न रहे बल्कि विविध प्रकार की फसलें फलबाग, सब्जी उत्पादन पर जोर देकर अपनी आर्थिक उन्नति करें यह हमारा प्रयास है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर स्थानीय किसानों को मार्गदर्शन मिल सके इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश में किसानों का भारी नुकसान हुआ है। सर्वे कर तत्काल मदद किए जाने के लिए जल्द ही मंत्रालय स्तर पर गंभीर प्रयास किए जाएंगे। यह विचार विधायक सहपराम कोरोटे ने रविवार को स्थानीय जमीदार राजवाड़ा पैलेस में किसान परिवर्तन पैनल के नवनिर्वाचित कृउबास संचालकों के सत्कार समारोह में व्यक्त किए। इस समय सेवकराम ब्राह्मणकर बंशीधर अग्रवाल संजय बहेकार यशवंत मानकर प्रमुखता से उपस्थित थे। जिला परिषद सदस्य छबूताई उके विद्यासागर पारधी नवनिर्वाचित संचालक हुकुमचंद बोहरे, संजय बहेकार, महेश उके ने भी मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित संचालक भूपेश अग्रवाल, संजय बहेकार, हुकुम बोहरे, महेश उके का अतिथियों के हाथों सत्कार किया गया। कार्यक्रम में अजय गहरवार, अरूणा बहेकार, धनिराम मटाले, बलदेव चौधरी, बाबू मेंढे, अजय खेतान, उज्वल ठाकुर, उपस्थित थे। संचालन जगदीश चुटे ने और आभार प्रदर्शन नरेश बोपचे ने किया।

दस वर्ष सेवा पूरी करनेवाले कर्मियों का स्थानांतरण किया जाए जिप कर्मचारी महासंघ ने जिप अध्यक्ष रहांगडाले से की मांग

बुलंद गोंदिया-10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले जिला परिषद कर्मचारियों का प्रशासकीय स्थानांतरण किए जाए। यह मांग जिला परिषद कर्मचारी महासंघ ने की है। इस मांग को लेकर जिला परिषद कर्मचारी महासंघ ने जिला परिषद अध्यक्ष पंकज रहांगडाले को निवेदन सौंपा है। जिप कर्मचारियों का स्थानांतरण समुपदेश कार्यशाला में जिस कर्मचारी की एक ही स्थान पर सेवा 10 वर्ष पूरी हो गई है, ऐसे कर्मचारियों को प्रशासकीय स्थानांतरण के लिए पात्र घोषित कर उसके अनुसार कार्रवाई करें। स्थानांतरण समुपदेश प्रक्रिया करने के बाद जिला परिषद मुख्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की अंतर्गत विभाग स्थानांतरण करें। जिला परिषद कर्मचारी महासंघ की शिकायत निवारण समिति की सभा आयोजित कर कर्मचारियों के प्रलंबित मामले हल करने की मांग की गई है। प्रतिनिधि मंडल में जिप कर्मचारी महासंघ के पी.जी. शहारे, ग्रामसेवक संगठन के जिलाध्यक्ष कमलेश बिसेन, संतोष तोमर, सुभाष खत्री आदि का समावेश है।

नागरिकों ने श्रमदान से चलाया स्वच्छता अभियान

बुलंद गोंदिया-ग्राम पंचायत गंगाझरी में स्वच्छ सुंदर-मेरा गांव अंतर्गत श्रमदान से स्वच्छता अभियान 7 मई को चलाया गया। इस अभियान में ग्राम के युवक व नागरिकों के साथ ही बच्चों ने भी हिस्सा लिया था। सेंटर प्वाइंट चौक ग्राम पंचायत कार्यालय गंगाझरी के पास के तालाब का परिसर, रेलवे, आंगनवाड़ी, ग्राम की आंगनवाड़ी, साप्ताहिक बाजार, संतोषी माता मंदिर परिसर, जिला परिषद प्राथमिक शाला, मार्ग के दोनों ओर के परिसर को श्रमदान कर स्वच्छ किया गया। इस अभियान में सरपंच सोनू विनायक घरडे, सदस्य राजेश कटरे, नूतनसिंह नागभिरे, महेश बबरिया, लोकेश नागभिरे, सिद्धार्थ बोंबार्डे, शिव लिल्हारे, विशाल उके, धर्मराज बोंबार्डे एवं बच्चों में आर्यन ब्रह्मराज बबरिया, कौशिक प्रवीण लिल्हारे ने सहयोग किया।

सेवानिवृत्ति पर प्रा. गुप्ता व प्रा. चुटे का किया सत्कार

बुलंद गोदिया-गोंदिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित बोटे बंधु विज्ञान महाविद्यालय में स्था सचिव राजेंद्र जैन, संचालक खिल जैन, महाविद्यालय के चार्य डा. अंजन नायडु व प्राचार्या डा. जे.जी. महारखोडे के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के पूर्व पर्यवेक्षक प्रा. एस.बी. गुप्ता व वरिष्ठ प्रा. मदन चुटे को उनकी सेवानिवृत्ती पर आयोजित विदाई समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य डा. अंजन नायडु, गणित विभाग के प्रमुख प्रो. विजय सोनी, महाविद्यालय के पर्यवेक्षक प्रा. मनेश मेहता सहित सत्कारमूर्ति प्रा. एस.बी. गुप्ता, व प्रा. मदन चुटे मंच पर उपस्थित थे। इस दौरान अतिथियों के हाथों प्रा. एस.बी. गुप्ता, व प्रा. मदन चुटे का शाल-श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम - का संचालन डा. शशिकला पारधी ने किया। आभार प्रा. अजिता गिजरे ने माना। इस दौरान प्रा. अनिल बोपचे, प्रा. रूपेश मोहतुरे, प्रा. हरीश बैकुंठी, प्रा. कुसुम भोडे, प्रा. मधुकर कापरबोयना, प्रा. सोनवाने सहित समस्त शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने प्रा. गुप्ता व प्रा. चुटे की सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं दी।

प्रलंबित शिकायतों का शीघ्र करें समाधान -सांसद सुनील मेंढे

बुलंद गोंदिया। जिले के आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जनता दरबार आयोजित कर शिकायतों के निस्तारण का प्रयास किया जा रहा है और संबंधित विभाग को लंबित शिकायतों का तत्काल निपटारा करने के निर्देश दिए हैं। 8 मई को गोंदिया के पंचायत समिति सभागार में सांसद सुनील मेंढे की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया था, उस समय वे बोल रहे थे।

इस अवसर पर मंच पर वित्त एवं निर्माण सभापति संजय टेंभरे, जि.प.सदस्य, पं.स.सदस्य, पूर्व अध्यक्ष नेतराम कटरे, उपविभागीय अधिकारी परवनी पाटिल, गट विकास अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश चौरागड़े उपस्थित थे।

जनता दरबार में प्रधानमंत्री आवास योजना, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, स्वच्छ भारत मिशन, किसान सम्मान निधि योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, गोपीनाथ मुंडे किसान दुर्घटना बीमा योजना इस अवसर पर मुद्रा लोन, जननी सुरक्षा योजनाओं आदि की समीक्षा की गई।

इस दौरान तरह-तरह की शिकायतें की गईं। कई लोगों की शिकायत थी कि आश्रय तो स्वीकृत हो गया है लेकिन राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। घरकुल को लेकर अभी डी लिस्ट फाइनल नहीं हुई है, इसलिए हमें समय की जरूरत होगी। मनरेगा के काम अभी शुरू नहीं हुए हैं। कहा गया कि जिला प्रशासन सरकार से फालोअप कर चुका है। शिकायत का निस्तारण उपविभागीय कार्यालय के माध्यम से इस तथ्य की जांच कराकर किया जाए कि कब्रिस्तान की सड़क निजी भूमि से होकर गुजरती है। शिकायत की गई है कि बिरसी एयरपोर्ट पर जिन किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई है, उन्हें अभी तक भूमि अधिग्रहण का मुआवजा नहीं मिला है। इस समय कहा गया था कि मोबाइल टावर को नो-डैमेज सर्टिफिकेट जारी करने का अधिकार ग्राम पंचायत के संकल्प के अनुसार तय किया जाता है। संबंधित तंत्र द्वारा शिकायतकर्ताओं की तत्काल जांच की जाए।

2005 से अतिक्रमण कर मकान बनाया गया तो मकान को तोड़ दिया गया। उपविभागीय अधिकारी परवनी पाटिल ने कहा कि पुनर्वास नीति सरकार तय करती है।

ग्राम पंचायत सेजगांव में पन्द्रहवें वित्त आयोग से काम नहीं हुआ है लेकिन राशि निकाल ली गई है। सांसद सुनील मेंढे ने निर्देश दिया कि इस संबंध में गहन जांच कराई जाए।

हमने जनता दरबार के माध्यम से लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास किया है। इस मौके पर सांसद सुनील मेंढे ने प्रलम्बित प्रकरणों का निराकरण करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी (रोह्यो) लीना फाल्के, तहसीलदार मानसी पाटिल, नायब तहसीलदार सीमा पाटणे तालुका कृषि अधिकारी धनराज तुमडाम सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में फरियादी मौजूद थे।

महिला लोक शाही दिवस15 मई को

बुलंद गोंदिया-महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तर पर प्रत्येक माह के प्रत्येक तीसरे सोमवार को महिला लोकशाही दिवस के रूप में मनाया जाता है. जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तुषार पौणिकर ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है कि महिला लोक शाही दिवस पर महिलाओं के किसी भी वर्ग से संबंधित समस्याओं, व्यक्तिगत समस्याओं, बंधकों, बाधाओं को लेकर उनके बयान स्वीकार किए जाते हैं. उन्होंने यह भी कहा है कि सोमवार 15 मई 2023 को जिला स्तरीय महिला लोक शाही दिवस का आयोजन किया गया है। सभी महिला कर्मचारी और महिला बोर्ड, स्वयं सहायता समूह और महिलाओं के लिए काम करने वाले अन्य संगठन सीधे यहां महिला बैठक में आकर अपनी व्यक्तिगत शिकायत दर्ज करा सकते हैं। तालुका स्तर के आवेदन 4 सोमवार को तालुका स्तर पर जमा किए जाने चाहिए। आवेदन पत्र बाल विकास अधिकारी से नि:शुल्क प्राप्त किया जायेगा। साथ ही जिला स्तरीय महिला लोकतंत्र दिवस के आवेदन का नमूना कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, नवीन प्रशासनिक भवन, तृतीय माला, कमरा नंबर 36, जयस्तंभ चौक, गोंदिया में नि:शुल्क उपलब्ध रहेगा।

महिला लोक शाही दिवस का आयोजन जिला स्तर पर प्रत्येक माह के तीसरे सोमवार को किया जाता है। कलेक्टर गोंदिया की अध्यक्षता में सोमवार दिनांक 15 मई 2023 को प्रात: 11 बजे जिला स्तरीय महिला लोकतंत्र दिवस का आयोजन कलेक्टर कार्यालय के सभागार में किया गया है. हालांकि, सभी महिला मंडल, स्वयं सहायता समूह, महिलाओं के लिए काम करने वाली अन्य संस्थाएं और पीड़ित महिलाएं अपना आवेदन कार्यालय में जमा कराएं। सभी महिलाओं से अनुरोध है कि वे इसका ध्यान रखें। तहसील कार्यालय में तहसीलदार की अध्यक्षता में प्रत्येक माह के चौथे सोमवार को तालुका स्तरीय महिला लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया जाता है।

न्यायिक मामले, आवेदन निर्धारित प्रारूप में नहीं और आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियों के साथ नहीं, सेवा संबंधी, स्थापना संबंधी मामले, शिकायत और बयान व्यक्तिगत प्रकृति के नहीं हैं, ऐसे आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सभी पीड़ित महिलाएं व्यक्तिगत रूप से उक्त कार्यालय में आकर तीन प्रतियों में शिकायत प्रस्तुत करें।

अर्जुनी मोरगांव नगर पंचायत क्षेत्र में में हुआ घरकुल घोटाला

अर्जुनी मोरगांव -प्रधानमंत्री आवास योजना से स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र में तैयार किए गए घरकुल घोटाला होने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले की जांच होते ही इसमें शामिल लोगों में खलबली मच गई है। कुछ जागरुक पार्षदों ने यह जानकारी पत्र-परिषद में दी । बता दें कि घरकुल घोटाला शीर्षक तले अनेक अखबारों ने 15 अप्रैल को समाचार प्रकाशित किया था। कुछ जागरुक पार्षदों ने नगराध्यक्ष को पत्र देकर इस मामले पर आमसभा में चर्चा करने को कहा था। इस का संज्ञान में लेते हुए 18 अप्रैल को आमसभा में जोरदार चर्चा हुई। लेखापाल प्रफुल्ल गाडबैल, लिपिक सुमित मेश्राम और संविदा कर्मचारी सुरेश बोरिकर को मिलाकर तीन सदस्यीय जांच समिति नियुक्त की गई। इस कमेटी द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट 4 मई को विशेष बैठक में पेश की गई। मुख्याधिकारी शिल्पारानी जाधव ने कहा कि संविदा अभियंता दीपक डोंगरवार के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। इस विशेष बैठक में कुछ पार्षदों ने दोषियों को रिहा करने का सुझाव दिया। लेकिन सभागृह ने इस सुझाव को खारिज कर दिया। दोषियों का समर्थन करने वाले कुछ पार्षदों का राज दबा है। इस जांच में पुराना घर दिखाकर लाभ लेने वाले 5, घरकुल के बदले गोदाम निर्माण करने वाले 1, एक ही परिवार के तीन लोगो के नाम घरकुल मंजूर हुआ लेकिन घर का निर्माण कार्य एक ही स्थान पर दिखाया गया ऐसे 3, दो लोगों को घरकुल मंजूर पर एक ही स्थान पर निर्माण कार्य करने वाले 6. निर्माण कार्य शुरू न कर पहली किश्त वाले 64, दूसरी किश्त वाले 2, तीसरी एवं चौथी किश्त वाले 1 एवं एक किश्त नहीं मिलने वाले 18 लाभार्थियों का समावेश है। जांच में 34 लाभार्थी जिनके मकान का निर्माण पूरा हो गया है लेकिन छपाई (प्लास्टर) बाकी है, 10 लाभार्थी जिनके मकान की छत (स्लैब) बनी हुई है और 17 लाभार्थी जिनके पास केवल नींव का निर्माण है जांच के दौरान मिले हैं।

किसानों द्वारा रबी धान बिक्री के लिए करे ऑनलाइन पंजीकरण -विजय इंगले

बुलंद गोंदिया। शासकीय आधारभूत धान खरेदी योजनान्तर्गत रबी पानन सीजन 2022-23 में धान क्रय हेतु एनईएमएल पोर्टल पर किसानों के ऑनलाईन पंजीयन हेतु 15 मई 2023 तक की मोहलत प्राप्त हुई है. जिला विपणन अधिकारी विजय इंगले ने अपील की है कि रबी धान विक्रय के लिए किसान अपना ऑनलाइन पंजीयन कराएं।

शासकीय आधारभूत धान खरेदी केंद्र पर धान बेचने के लिए सभी किसानों का पंजीयन कराने के लिए पनन संघ के सक्षम संगठनों को कृषक पंजीयन के आदेश दिए गए हैं। किसान नजदीकी पंजीयन केंद्र पर जाकर रबी सीजन 2023 सतबारा उतर, पिक पेरा, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर लेकर आएं। साथ ही किसान मोबाई में प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराएं और सरकार की धान खरीद योजना का लाभ उठाएं। जिला विपणन अधिकारी गोंदिया ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा।

जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता आदिवासी संस्थाएं नहीं खरीदेंगी धान

संस्था की बैठक में लिया गया निर्णय

गोदिया-आदिवासी विविध कार्यकारी सहकारी संस्थाओं का संघ जिला गोंदिया की बैठक 7 मई को महाराष्ट्र राज्य सहकारी आदिवासी विकास महामंडल उपप्रादेशिक कार्यालय देवरी के सभागृह में संगठन के अध्यक्ष शंकर मडावी की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में महाराष्ट्र राज्य सहकारी आदिवासी विकास महामंडल नाशिक के संचालक भरतसिंह दुधनाग भी उपस्थित थे। इस बैठक में आदिवासी धान खरीदी संस्थाओं से संबंधित अनेक विषयों पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद सर्वसम्मती से यह निर्णय लिया गया कि जब तक शासन और आदिवासी विकास महामंडल आदिवासी सहकारी संस्थाओं की मांगों एवं समस्याओं का समाधान नहीं करता तब तक शासकीय धान खरीदी संस्थाओं द्वारा नहीं की जाएगी। आदिवासी सहकारी संस्थाओं के संघ की प्रमुख मांगों में धान की टुट समयावधी के अनुसार दिए जाने, खरीदे गए धान को गोदामों से तत्काल उठाने, संस्थाओं का कमिशन समय पर देने, गोदाम किराया समय पर देने खरीदी के लिए बारदाने तत्काल दिए जाने, कमिशन की राशि 30 रूपए से बढ़ाकर 50 रूपए प्रति क्विंटल करगे, मा लेबर चार्ज में वृद्धि कर समय पर देने, धान खरीदी के लक्ष्य की शर्त रद्द कर खरीदी केंद्र के रजिस्ट्रेशन के हिसाब से एक ही बार लक्ष्य निर्धारित कर देने, एक बोरी में 40 किलो धान नहीं आने के कारण बोरी बड़े साईज की देने, गोदाम भाडे में बढ़ोत्तरी कर दो माह की बजाए धान संग्रहीत रहने की अवधी तक का भाडा देने आदि मांगों का प्रमुखता से समावेश है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संस्थाओं की उपरोक्त मांगे यदि शासन द्वारा मान्य नहीं की गई तो ग्रीष्मकालीन रबी मौसम के धान की शासकीय खरीदी जिले की कोई भी संस्था नहीं करेंगी।बैठक में प्रमुख रूप से बसंत पुराम, उत्तम मरकाम, हरिश कोहडे, तानेश ताराम, गणेश टोपे, जीवन बापू राऊत, पतिराम भोगारे, मन्नू मडावी, माणिक आचले, लक्ष्मण लटये, काशिनाथ राणे, प्रल्हाद वरठे, पुरूषोत्तम मेश्राम, विठ्ठल नेवारे, गोमती तितराम, तुलसीराम परशुरामकर, कुवरलाल नाईक, राजू राऊत, तुकाराम धुर्वे, मदन रहिले, तुकाराम मारगाये, लोकनाथ तितराम, रविंद्र लोगडे, देवराव वलके, मंसुर अली शेख सहित जिले के आदिवासी संस्थाओं के अध्यक्ष और सचिव बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दिल्ली में धरना दे रही महिला खिलाड़ियों के समर्थन में गोदिया में आंदोलन

» ब्रजभूषण सिंह को तत्काल पद से हटाकर गिरफ्तार करने की मांग

गोंदिया-राष्ट्रीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष ब्रजभूषण सिंह पर लैंगिक शोषण का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाकर गिरफ्तार किए जाने की मांग को लेकर दिल्ली में जंतर-मंतर पर चल रहे एथलीट्स के आंदोलन को समर्थन देने के लिए बुधवार 10 मई को स्थानीय प्रशासकीय भवन के सामने धरना आंदोलन किया गया। जिसमें शहर के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के साथ विविध वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हुए। धरना आंदोलन में शामिल लोगों ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित निवेदन उपविभागीय अधिकारी को सौंपा। निवेदन में ब्रजभूषण सिंह को तत्काल उनके पद से हटाकर गिरफ्तार किए जाने की मांग की गई है। गौरतलब है कि लैंगिक शोषण के खिलाफ पिछले अनेक दिनों से महिला कुश्ती खिलाड़ियों एवं अन्य खिलाड़ी दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन को सारे देश से विभिन्न संगठनों का समर्थन मिल रहा है। इन्हीं खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए आज शहर में प्रशासकीय इमारत के सामने धरना आंदोलन किया गया। जिसमें विविध सामाजिक, शैक्षणिक संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। आंदोलनकर्ताओं का कहना था कि अंतराराष्ट्रीय क्रीडा स्पर्धाओं में अनेक पदक जीतकर देश का मान बढ़ाने वाले खिलाडी आज आंदोलन कर रहे है, यह दुख का विषय है। महिला खिलाड़ियों पर अत्याचार यह गंभीर विषय है। उसी प्रकार पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की गई धक्कामुक्की शर्मनाक है। इस अवसर पर प्रा. सविता बेदरकर, कैलाश भेलावे, मनोज मेंढे, रमेश ब्राम्हणकर अनिल सहारे, डी.एस. मेश्राम, रूपाली उके, जय कुमार, मालती किन्नाके, राजू मेंढे, अधी. नरेश शेंडे, देवानंद वंजारी, दीपक उके, एम.जी. टेंभूर्णीकर, सोनिया बंसोड, गायत्री सोनवाने, सायली गोस्वामी, धनेंद्र भुरले उपस्थित थे।

महिला की बैग से 1.96 लाख के आभूषण हुए चोरी

भंडारा-भंडारा बसस्थानक में भंडारा से करड़ी जाने के लिए निकली महिला के सोने के आभूषण बस में चढते हुए बैग से चुराने की घटना 9 मई को सुबह 11 बजे घटित हुई। जिसमें महिला के 1 लाख 96 हजार के सोने के आभूषणों की चोरी अज्ञात आरोपी द्वारा की जाने का मामला सामने आया है। करड़ी ग्राम निवासी 29 वर्षीय महिला काम के सिलसिले में नागपुर पारड़ी के श्याम नगर में रहती है। गांव जाने के लिए भंडारा बस स्थानक में 9 मई को 11 बजे पहुची महिला ने करड़ी बस पकड़ी। बस में भीड़ में चढ़ते समय अज्ञात आरोपी ने बैग में रखी पर्स पर हाथ साफ किया। जिसमें महिला के सोने की चेन, लॉकेट, सोने की 3 अंगूठियां, मंगलसूत्र ऐसा करीब 1 लाख 96 हजार का माल चोरी किया। इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ भंडारा पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 253/23 धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस हवलदार तिबुडे कर रहे है।

अंततः बंद हो गया पिंडकेपार प्रकल्प का निर्माण

गोंदिया-पिछले 38 वर्षों से गोंदिया तहसील में पिंडकेपार मध्यम प्रकल्प के निर्माण का काम चल रहा था। विभिन्न तकनीकी कारणों के चलते शासन ने अब इस प्रकल्प के निर्माण का काम बंद कर दिया है। जबकि सरकार ने इस प्रकल्प पर अब तक लगभग 50 करोड़ रुपयों का निधि खर्च किया है। लेकिन विभिन्न समस्या के कारण प्रकल्प को अब तक पूरा नहीं किया जा सका। ऊपर से इस अधूरे प्रकल्प को पूर्ण कराने को लेकर जनप्रतिनिधियों ने भी गंभीरता नहीं दिखाई। आखिरकार, शासन ने इस अधूरे प्रकल्प की फाइल ही बंद कर दी है। इससे किसानों के सपनों पर मात्र पानी फिर गया है। गौरतलब है कि गोंदिया तहसील के पिंडकेपार मध्यम प्रकल्प को वर्ष 1983 में मंजूरी मिली थी। उस समय इस प्रकल्प की कींमत 2.43 करोड़ रुपए आंकी गई थी। जिसे मंजूरी मिल गई थी। इस प्रकल्प में ग्राम डव्वा व रापेवाड़ा के किसानों की 156 हेक्टेयर जमीन व वन विभाग की 34.77 हेक्टेयर जमीन आंवटित की जानी थी। लेकिन प्रकल्प के कामों को लेकर लेटलतीफी व जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैए के चलते इस प्रकल्प को विभिन्न समस्या के कारण अब तक पूरा नहीं किया जा सका। आज इस प्रकल्प को 38 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इधर, 2008-09 में प्रकल्प की कीमत बढ़कर 40 करोड़ 66 लाख पर पहुंच गई है। लेकिन विभिन्न समस्या के कारण प्रकल्प को पूरा नहीं किया जा सका। जनप्रतिनिधियों ने भी इस ओर गंभीरता से नहीं लिया यही एक कारण है कि इस अधूरे प्रकल्प की फाइल ही शासन ने बंद कर दी है।

जिले में कृषि मिशन करें शुरू -पालक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार

प्री-खरीफ सीजन की समीक्षा अप्रमाणित बीज विक्रय केन्द्र पर करें कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। रोजगार में कृषि क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान है। राज्य में 2 करोड़ 55 लाख से अधिक लोग अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीक से खेती करने पर जोर दिया जाना चाहिए। राज्य के वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने सुझाव दिया है कि जिले में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, बागवानी, मछली तालाब, जैविक खेती, मशीनीकृत खेती, डेयरी, मृदा परीक्षण, हॉर्नेट खेती और ड्रोन छिड़काव जैसे अभिनव प्रयोग शुरू किए जाने चाहिए। जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित पूर्व खरीफ फसल समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले, सांसद सुनील मेंढे, सांसद अशोक नेते , विधायक विजय राहंगडाले, विनोद अग्रवाल, मनोहर चंद्रिकापुरे, जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, जिला पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, निवासी उप जिलाधिकारी स्मिता बेलपत्रे व जिला कृषि अधीक्षक कृषि अधिकारी हिंदूराव चव्हाण इस अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जिले में बीज और खाद की कमी न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। अप्रमाणित एवं नकली बीज बेचने वाले विक्रय केन्द्र के विरूद्ध कार्यवाही का निर्देश दिया गया। पालक मंत्री ने कहा, उनसे यूरिया मांगो और उस नीति को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने मापदंड व शर्तों में बदलाव की मांग की ताकि किसानों को फसल बीमा का लाभ अधिक मात्रा में मिल सके। पालक मंत्री ने फसल बीमा योजना को लेकर जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला आयोजित करने का सुझाव दिया। हाल ही में हुई बारिश के कारण कृषि को नुकसान हुआ है और उन्होंने कृषि विभाग को क्षतिग्रस्त कृषि का पंचनामा बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों को फसली ऋण वितरण के लिए तालुका स्तर की बैठकें करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिनव योजना के माध्यम से राशि दी जाएगी ।गोंदिया जिला तालाबों का जिला है और उन्होंने मत्स्य विभाग को अगले पंद्रह दिनों में मछली संरक्षण के लिए विशेष योजना तैयार करने के निर्देश दिए। पालक मंत्री ने कहा कि जिले की 1421 मामा तालाबों की गणना व सीमांकन के लिए 10 करोड़ की धनराशि की आवश्यकता है और इसके लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजा जाए. उन्होंने जशीनगर उपसा सिंचाई योजना के परीक्षण के लिए विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि आधुनिक खेती के प्रति किसानों का रुझान बढ़ाने के लिए कृषि विभाग को जन जागरूकता पैदा करनी चाहिए ।जिले की औसत वर्षा 1326.54 मिमी है। गोंदिया जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 5 लाख 64 हजार 100 हेक्टेयर तथा 2 लाख 27 हजार 225 हेक्टेयर कृषि योग्य क्षेत्र है। इनमें खरीफ सीजन का औसत रकबा 1 लाख 89 हजार 230 हेक्टेयर है। जिसमें से 1 लाख 81 हजार 077 हेक्टेयर क्षेत्र खरीफ धान है। खरीफ सीजन 2023-24 के लिए 2 लाख 4 हजार 358 हेक्टेयर का लक्ष्य प्रस्तावित है। वर्ष 2022-23 में जिले में 1834.83 मिमी. बारिश हुई है।

वर्ष 2022-23 की उपलब्धियां

वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में जिला गोंदिया में धान फसल उत्पादकता में 4 क्विंटल की वृद्धि। (20 वर्ग से 24 वर्ग तक) 2022-23 में महात्मा गांधी बाग क्षेत्र में (500 हेक्टेयर से 1949.07 हेक्टेयर तक) 2021-22 में। 2021-22 की तुलना में 2022-23 में ज्वार की बुआई के रकबे में (149.75 हेक्टेयर से 356.70 हेक्टेयर) की वृद्धि हुई। 2021-22 की तुलना में 2022-23 में ज्वार के बुवाई क्षेत्र में (323.50 हेक्टेयर से 565.80 हेक्टेयर तक) वृद्धि हुई।

रासायनिक उर्वरकों की मांग-खरीफ सीजन 2022-23 में यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एमओपी, एनपीके एवं मिश्रित उर्वरकों सहित 69 हजार 852 मीट्रिक टन उर्वरकों का विक्रय किया गया. खरीफ सीजन 2023-24 के लिए एक लाख 21 हजार 53 मीट्रिक टन खाद की डिमांड है। जिला अधीक्षक कृषि पदाधिकारी हिंदूराव चव्हाण ने बताया कि 69 हजार 320 मीट्रिक टन का आवंटन स्वीकृत हो चुका है और पिछले साल का स्टॉक 34 हजार 507 मीट्रिक टन है।

खरीफ सीजन 2022 में 34 हजार 579 क्विंटल बीज का प्रयोग किया गया था. इस सीजन में महाबीज व निजी बीज की 49 हजार 670 क्विंटल मांग दर्ज की गई है.

फसली ऋण आवंटन

खरीफ सीजन वर्ष 2022-23 में जिले को 444.85 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। 52518 सदस्यों को 307.83 करोड़ फसली ऋण वितरित किया गया। ऋण वितरण प्रतिशत 69.20 प्रतिशत है। इस पर पालक मंत्री ने नाराजगी जताई। वर्ष 2023-24 के लिए 468.24 करोड़ रू. तथा अधिक से अधिक किसानों को ऋण वितरण करने का निर्देश दिया। कृषि विभाग के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से संबंधित बाग रोपण अभियान, एकीकृत बागवानी विकास अभियान, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग योजना एवं मुख्यमंत्री कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण योजना, भाऊसाहेब फंडकर बाग रोपण योजना, महादबिट पोर्टल पर योजना, मुख्यमंत्री सतत कृषि सिंचाई एवं मुख्यमंत्री सतत कृषि सिंचाई योजना एवं प्रधानमंत्री पिक बीमा योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है। उन्होंने इन योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। जिला अधीक्षक कृषि पदाधिकारी हिंदूराव चव्हाण ने प्रस्तुति दी।

राजनीतिक नौटंकी के चलते ग्राम ईशापुर की नई जलापूर्ति योजना का भूमि पूजन कार्यक्रम रद्द

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता अर्जुनी मोरगांव)- अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम ईशापुर में 7 मई को दोपहर 1ः00 बजे नई जलापूर्ति योजना का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था, किंतु भूमि पूजन के पूर्व ही राजनीतिक नौटंकी व नेताओं के मानअपमान के चलते भूमि पूजन कार्यक्रम रद्द किया गया।

गौरतलब है कि अर्जुनी मोरगांव तहसील के ग्राम ईशापुर में नई पेयजल जलापूर्ति योजना का भूमि पूजन कार्यक्रम 7 मई को दोपहर 1ः00 बजे आयोजित किया गया था। जिसके लिए कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारी कर पत्रिका भी प्रकाशित करने के साथ ही पंडाल का भी निर्माण किया गया था।

उपरोक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले उद्घाटन के रूप में जिला परिषद सदस्य पूर्णिमा ढेंगे तथा विशेष अतिथि के रुप में अर्जुनी मोरगांव पंचायत समिति सभापति कोडापे, उपसभापती होमराज पुस्तोडे, पंचायत समिती सदस्य भाग्यश्री सयाम, ईसापुर ग्रामपंचायत सरपंच कल्पना करंबे, तथा उपसरपंच, ग्राम सेवक वह सभी ग्राम पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में जलापूर्ति योजना का भूमि पूजन किया जाना था। लेकिन एन समय पर भूमि पूजन कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए अतिथियों के नामों में गड़बड़ी होने के चलते आखिरकार उपरोक्त भूमि पूजन कार्यक्रम रद्द किया गया।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त ग्राम पंचायत में भारतीय जनता पार्टी के 7 सदस्य है तथा ग्राम में भाजपा की सत्ता है आरोप लगाया गया कि उपरोक्त कार्यक्रम में विरोधी पक्ष के सदस्यों द्वारा विकास के कार्यों में बाधा निर्माण की गई है। ग्राम ईसापुर में हमेशा ही राजनीतिक नौटंकी के चलते यह गांव विकास से कोसों दूर है तथा विकासात्मक कार्यों में बाधा निर्माण करने वालों के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश निर्माण हो रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि ग्राम के विकास के लिए राजनीति को दूर रख ग्राम के विकास कार्य किए जाएं।

सरपंच परिषद मुंबई, महाराष्ट्र के गोंदिया जिला अध्यक्ष के रूप में तिजेश गौतम की नियुक्ति

बुलंद गोंदिया। सरपंच परिषद मुंबई, महाराष्ट्र अधिवेशन साईंनगर शिर्डी में संपन्न हुआ इस सम्मेलन में गोंदिया जिला समन्वयक के रूप में कार्यरत तिजेश गौतम को गोंदिया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और इसकी औपचारिक घोषणा क्षेत्रीय अध्यक्ष दत्ता काकड़े ने प्रदेश पदाधिकारियों की उपस्थिति में की. तिजेश गौतम गोंदिया जिले के नवेगांव (प.) ग्राम पंचायत के उपसरपंच हैं और दूसरी बार ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचित होने में सफल हुए हैं. इस दौरान नवनियुक्त जिलाध्यक्ष तिजेश गौतम ने कहा कि सरपंच परिषद के लक्ष्यों और नीतियों के अनुरूप काम करेंगे।

डेंगू रोग की विस्तृत जानकारी-डॉ. वेद प्रकाश चौरागड़े

बुलंद गोंदिया। जिले में इस समय लू का प्रकोप शुरू हो गया है और हर कोई कूलर, पंखे, ए.सी. इनका प्रयोग शुरू कर दिया गया है। पिछले सप्ताह जलवायु परिवर्तन के असर से कूलर, पंखे, ए.सी. इनका प्रयोग कम कर दिया गया। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह देखा गया है कि एडीज मच्छर जो डेंगू रोग का कारण बनता है, कूलर में जमा पानी में बड़ी संख्या में प्रजनन कर रहा है। डेंगू का मच्छर साफ पानी में ही अंडे देता है और दिन में काटता है। कूलर के टैंक में पानी साफ रहता है इसलिए वहां मच्छरों की संख्या अधिक रहती है। हालांकि, नागरिकों को डेंगू रोग पैदा करने वाले मच्छरों को खत्म करने के लिए सप्ताह में एक बार कूलर की पानी की टंकी को खाली करना चाहिए और खुद को और अपने परिवार को डेंगू बीमारी से बचाना चाहिए। यह जानकारी जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. वेद प्रकाश चौरागड़े ने दी।

एडीज एजिप्टी वह मच्छर है जो डेंगू रोग का कारण बनता है। कूलर की टंकी, फ्रिज के पीछे का टब, खुले बर्तनों में पानी (सात दिनों के भीतर पानी का उपयोग नहीं करना), बर्तन, फूलदान, पौधों के नीचे बर्तन, छत पर या आसपास पड़ी खाली बोतलें, पुराने टायर, सामने नल के पानी के लिए बने गड्ढे घर, हौज, तालाब आदि में एडीज मच्छर पनपते हैं।

मच्छरों का जीवन चक्र सात दिनों का होता है। अंडे साफ पानी में दिए जाते हैं। कीड़ा-अंडा दो से तीन दिनों में कीड़ा बन जाता है। लार्वा चार से पांच दिनों में कायापलट कर लेता है। एक वयस्क मच्छर-कोशिका एक से दो दिनों में मच्छर में बदल जाती है ।एडीज मच्छर मुख्य रूप से अंधेरी जगहों में रहता है। आमतौर पर यह मच्छर उन जगहों पर रहता है जहां काले कपड़े लटकते हों, छाते लटकते हों ।तेज बुखार, तेज सिर दर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोड़ों में दर्द, भूख और स्वाद की कमी, शरीर पर दाने, जी मिचलाना और उल्टी डेंगू रोग के लक्षण हैं ।पेट दर्द, लगातार उल्टी, नाक और मसूड़ों से खून आना, सांस लेने में तकलीफ और तेजी से सांस लेना, अत्यधिक थकान गंभीर स्थिति है। डेंगू संक्रमित मादा एडीज

मच्छर के काटने से एक सामान्य व्यक्ति में फैलता है।

डेंगू रोग के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है। डेंगू के लक्षण वाले व्यक्ति को सावधान रहना चाहिए कि उसे मच्छर ने नहीं काटा है। बुखार से पीड़ित व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। ये हैं डेंगू रोग से बचाव के उपाय ।सप्ताह में एक दिन ड्राई डे रखते हुए नियमित रूप से कूलर का पानी बदलते रहें, टब को सुखाकर फिर से पानी भरें, पानी से भरे बर्तनों को ढक दें। मच्छरों के प्रजनन को कम करने के उपाय किए जाने चाहिए।

पत्थर मारकर किया घायल

गोंदिया -गंगाझरी थानांतर्गत ग्राम शहारवानी निवासी फरियादी मूलचंद मनिराम भावे (75) अपने घर के सामने खड़ा था। इस दौरान आरोपी ने सब्बल एवं कुल्हाड़ी कबाड़ी वाले को बेच रहा था। तब फरियादी ने उसे कहा कि घर कि सब्बल और कुल्हाड़ी क्यों बेच रहा है। तब आरोपी ने फरियादी के साथ धक्का-मुक्की कर उसके सिर पर पत्थर से प्रहार कर दिया। जिसमें वह जख्मी हो गया। यह घटना 9 मई को घटित हुई। फरियादी की रिपोर्ट एवं मेडिकल रिपोर्ट पर गंगाझरी पुलिस ने भादंवि की धारा 324, 323 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच पुलिस हवलदार मनोहर अंबुले कर रहे है।

विश्वभूषण भारतरत्न डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति 2023 के अध्यक्ष पद से अक्षय वासनिक निष्कासित कार्यकारिणी सदस्यो ने पत्र परिषद में दी जानकारी

बुलंद गोंदिया। विश्वभूषण भारतरत्न डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति गोंदिया रजिस्टर्ड नंबर 8904 के वर्ष 2023 के अध्यक्ष अक्षय वासनिक को संस्था के साथ धोखाधड़ी व गबन करने के आरोप में संपूर्ण कार्यकारणी द्वारा बहुमत के साथ उन्हें निष्कासित किया। इस प्रकार की जानकारी जयंती समिति के कार्यकारिणी सदस्यों ने शासकीय विश्राम गृह में 6 मई 2023 को आयोजित पत्र परिषद में दी।

विश्वभूषण भारतरत्न डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति की 5 मई 2023 को हर्षपाल रंगारी के निवास स्थान पर कार्यकारिणी मंडल की सभा हुई जिसमे वर्ष 2023 के अध्यक्ष अक्षय वासनिक को संस्था के साथ धोखाधड़ी व गबन करने के आरोप में संपूर्ण कार्यकारणी द्वारा बहुमत के साथ उन्हें निष्कासित किया।

24 दिसंबर 2022 को बाबासाहब जयंती संपन्न करने के उद्देश्य अध्यक्ष के रूप में अक्षय वासनिक की नियुक्ति की गई थी तथा वर्ष 2023 की उप समिति के अध्यक्ष में वर्ष भर चलाए जाने वाले कार्यक्रम हेतु उन्हें नियुक्त किया गया था।

डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के लिए जनसहयोग राशि संस्था के बैंक खाते के माध्यम से जमा करने का प्रस्ताव पास किया गया था किंतु अक्षय वासनिक द्वारा संस्था की रसीद बुक पर संस्था खाता नंबर ना छापते हुए स्वयं के बैंक खाते का बारकोड छापकर आर्थिक घोटाला किया है। तथा जमा की गई राशि का हिसाब कार्यकारिणी को नहीं दिया साथ ही संस्था द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रमों उदाहरण रक्तदान शिविर, बाइक रैली ,सामूहिक विवाह समारोह ने जानबूझकर अनुपस्थित रहकर कार्यक्रमों को असफल करने का षड्यंत्र रचा।

साथ ही संस्था द्वारा गत 4 वर्षों से डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा स्थानांतरित करने के लिए नयी प्रशासकीय इमारत के समीप जमीन की भूसंपादन प्रक्रिया हेतु प्रशासन व न्यायालय से लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन वासनिक द्वारा विरोधी पक्ष को मदद करने वह उनके साथ शामिल होकर बाधा निर्माण की जा रही है। साथ ही भूमि भूसंपादन प्रक्रिया विरुद्ध शासन से पत्र व्यवहार करने वाले अतुल सतदेवे का नाम जानबूझकर डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जयंती पत्रिका में छाप कर उन्हें सम्मानित अतिथि के रूप में बुलवाया गया। वह सोशल मीडिया के माध्यम से डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को तोड़ा गया ऐसी झूठी अफवाह फैलाकर आंबेडकर समाज में सनसनी निर्माण कर दंगे फैलाने का प्रयास सतदेवे द्वारा किया गया था।

उसी प्रकार आंबेडकर समाज को दो भागों में अलग-अलग कर जयंती करने वाले राजनीतिक पक्ष के जयंती समिति के अध्यक्ष को अपने मंच पर बुलवाकर सम्मानित किया गया इस प्रकार के आरोप होने वह गलत कार्य किए जाने पर समिति द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद समिति के विरुद्ध अक्षय वासनिक द्वारा कार्य किया गया है।

साथ ही समिति द्वारा उन्हें चेतावनी दी गई कि 7 दिनों के अंदर समिति का संपूर्ण आर्थिक व्यवहार का हिसाब कार्यकारिणी के पास दिया जाए अन्यथा कार्य कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। समिति के आगामी कार्यकाल व कार्यक्रमों हेतु अध्यक्ष पद पर अमित भालेराव की नियुक्ति की गई। साथ ही आज से संस्था के नाम से किसी भी प्रकार की कार्रवाई करने पर अक्षय वासनिक पर प्रतिबंध लगाया गया तथा संस्था के नाम का उपयोग अक्षय वासनिक द्वारा नहीं किया जा सकता।

तथागत गौतम बुद्ध जयंती 21 मई को डॉ बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति द्वारा 21 मई 2023 को कव्वाली मैदान संजय नगर गोविंदपुर गोंदिया में तथागत गौतम बुद्ध की जयंती आयोजित की है।आयोजित पत्र परिषद के अवसर पर अमित भालेराव ,घनश्याम पानतवने, सुनील मेश्राम ,हर्षपाल रंगारी , श्याम चौरे, रविकांत कोटागंले, मिलिंद गणवीर, शैलेश टैंभेकर ,जितेंद्र सतीसेवक, प्रफुल्ल भालेराव, अनिल डोंगरे, अमर राऊत, आकाश टेंभुर्णी कर, प्रवीण बोरकर, रवि भालाधरे, वेदांत गजभिए, कपिल नागदेवे, गौरव गेडाम, आदि उपस्थित थे।

43 वर्षों के इतिहास में पहली बार अध्यक्ष निष्कासित

डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति के 43 वर्षों के इतिहास में पहली बार कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा समिति के अध्यक्ष को कार्यकाल के पूर्व ही पद से निष्कासित करने का निर्णय बहुमत से लेकर तत्काल प्रभाव से उप समिति की कार्यकारिणी को भंग किया गया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।